## निनफेट-साथी- जूट की रेटिंग तकनीक पर एफएलडी और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित समिति का जूट की स्थिति पर दौरा

**12 सितंबर 2023:**

आईसीएआर- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ नेचुरल फाइबर इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एनआईएनएफईटी), कोलकाता ने 5 से 9 सितंबर के दौरान क्रमशः पूर्णिया, कटिहार, सहरसा, अररिया, किशनगंज के कृषि विज्ञान केंद्रों के सहयोग से "निनफेट-साथी रेटिंग टेक्नोलॉजी" पर दस एफएलडी का आयोजन किया। बिहार राज्य में 2023। आईसीएआर- निनफेट से डॉ. डी.पी. रे और श्री सैकत मैती ने विभिन्न केवीके के प्रतिनिधियों के साथ कार्यक्रम का समन्वय किया। डॉ. डी.पी. रे ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए फाइबर की बेहतर गुणवत्ता प्राप्त करने के लिए निनफेट-साथी के अनुप्रयोग का प्रदर्शन किया। इसके अलावा, उन्होंने फाइबर की ग्रेडिंग और निनफेट-साथी के साथ उन्नत रेटिंग के सहसंबंध के बारे में भी चर्चा की। डॉ. रे ने संस्थान द्वारा विकसित जूट पत्ती पेय के लाभों पर भी जोर दिया, जो जूट से अतिरिक्त आय के लिए लाभकारी दृष्टिकोणों में से एक बनने जा रहा है। उन्होंने संस्थान की प्रशिक्षण सुविधाओं और संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया जिनके माध्यम से किसानों को लाभान्वित किया जा सकता है। श्री सैकत मैती ने रेटिंग तालाब में जूट की विभिन्न परतों में निनफेट-साथी पाउडर के अनुप्रयोग का प्रदर्शन किया। किसानों में उत्साह दिखा और वे इस तकनीक के बारे में विस्तार से जानने के लिए उत्साहित हुए।

उपरोक्त प्रदर्शन कार्यक्रमों के क्रम में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा गठित समिति। पश्चिम बंगाल और बिहार में जूट की स्थिति पर भारत के डॉ. ए.एन. रॉय, समिति के अध्यक्ष, श्री जिंटू दास और डॉ. डी. पी. रे ने बिहार राज्य में जूट की खेती और उससे संबंधित मुद्दों का सर्वेक्षण किया। किसानों के साथ बातचीत के दौरान समिति ने बिहार में जूट की खेती की स्थिति और जूट उगाने में किसानों के सामने आने वाली समस्याओं का सर्वेक्षण किया। समिति ने जूट उगाने वाले क्षेत्रों, जूट की किस्मों, रेटिंग मुद्दे और रेटिंग एक्सेलेरेटर की उपलब्धता, प्रमाणित बीजों की उपलब्धता, कीटनाशकों के अनुप्रयोग, जूट क्षेत्र में प्रचलित योजनाओं, राज्य में फसल के बाद प्रसंस्करण सुविधाओं से संबंधित जानकारी एकत्र की। टीम ने संयुक्त कृषि निदेशक (जूट), पूर्णिया और जिला कृषि पदाधिकारी, किशनगंज के कार्यालय का दौरा किया। अधिकारियों, किसानों और अन्य हितधारकों के साथ बातचीत के दौरान टीम ने विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से जूट की खेती के विस्तार क्षेत्र और जूट उत्पादकों के उत्थान के लिए कुछ रास्ते तैयार किए। और गैर सरकारी. बिहार में जूट के विकास के लिए योजनाएं और जरूरतमंद लोगों को प्रशिक्षण प्रदान करना।

*(सूत्र: आईसीएआर-राष्ट्रीय प्राकृतिक फाइबर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, कोलकाता)*

## FLD on NINFET- Sathi Retting Technology of Jute and visit of the Committee constituted by Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Govt. of India on the Status of Jute

*September 12, 2023*

ICAR- National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology (NINFET), Kolkata organized ten FLDs on "NINFET- Sathi Retting Technology" in collaboration with Krishi Vigyan Kendra of Purnea, Katihar, Saharsa, Araria, Kishanganj, respectively during 5$^{th}$ to 9$^{th}$ September, 2023 in the state of Bihar. From ICAR- NINFET, Dr. D.P. Ray and Mr. Saikat Maiti coordinated the programme along with different KVK's representatives. Dr. D.P. Ray demonstrated the application of NINFET-Sathi to achieve better quality of fibre for enhancing the farmer's income. Beside this, he discussed, about the correlation of grading of fibre and the advanced retting with NINFET-Sathi. Dr Ray also emphasized the benefits of jute leaf drink, developed by the institute which is going to be one of the remunerative approaches for additional income from jute. He elaborated about institute training facilities and different schemes run by the institute through which farmers can be benefitted. Mr. Saikat Maiti demonstrated the application of NINFET- Sathi powder in different layers of jute in the retting pond. The farmers were shown their enthusiasm and they were excited to know in details about this technology.

In continuation with the aforesaid demonstration programmes, the committee constituted by Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, Govt. of India on the Status of Jute in West Bengal and Bihar lead by Dr. A.N. Roy, Chairman of the committee, Mr. Jintu Das and Dr. D. P. Ray surveyed the cultivation and pertaining issues related to jute in the state of Bihar. During interaction with the farmers the committee surveyed the status of jute cultivation and problems faced by the farmers for growing of jute in Bihar. The committee collected information pertaining to jute growing areas, varieties of jute, retting issue and availability of retting accelerators, availability of certified seeds, application of pesticides, prevailing schemes in the jute sector, post-harvest processing facilities in the State. The team visited the office of Joint Director Agriculture (Jute), Purnea and Office of the District Agriculture Officer, Kishanganj. During the interaction with the officers, farmers and other stakeholders the team chalked out some avenue for the expansion area of jute cultivation and upliftment of jute growers through different Govt. and Non-Govt. schemes and rendering training to the needy people for further growth of jute in Bihar.

*(Source: ICAR-National Institute of Natural Fibre Engineering and Technology, Kolkata)*

कार्यक्रम की झलकियाँ/ Glimpses of the Programme

बिहार में निनफेट-साथी रेटिंग टेक्नोलॉजी के साथ फ्रंट-लाइन प्रदर्शन
Front-line Demonstration with NINFET-Sathi Retting Technology at Bihar

किसानों के साथ संवाद बैठक
Interaction meeting with the Farmers

संयुक्त कृषि निदेशक (जूट), किशनगंज के साथ बैठक
Meeting with Joint Director of Agriculture (Jute), Kishanganj

केवीके पूर्णिया के वैज्ञानिकों एवं विषय विशेषज्ञों के साथ बैठक
Meeting with Scientists and Subject Matter Specialists of KVK Purnea

जिला कृषि पदाधिकारी, किशनगंज के साथ बैठक
Meeting with District Agricultural Officer, Kishanganj

जिला कृषि पदाधिकारी, किशनगंज के साथ बैठक
Meeting with District Agricultural Officer, Kishanganj